कक्षा 6 अभ्यास

प्रस्तुति - सुमन शर्मा
हिन्दी अध्यापिका
स ह स फांटवां
मोहाली

प्रार्थना

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਬੱਚੇ	=	बच्चे	ਅੱਗੇ	=	आगे
ਦੁੱਖ	=	दु:ख	ਪਿੱਛੇ	=	पीछे
ਆਗਿਆ	=	आज्ञा	ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ	=	खुशहाली
ਗੁਰੂ	=	गुरु	ਕੀਰਤੀ	=	कीर्ति

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-

ਨਾਸਮਝ	=	नादान	ਬਲਿਹਾਰੀ ਜਾਣਾ	=	बलि-बलि जाएँ
ਮਿੱਤਰ	=	सखा	ਸ਼ੋਭਾ	=	शान
ਸਦਾ	=	हमेशा	ਚਹੁੰ ਪਾਸੇ	=	चहुँ ओर
ਬਡ਼ਾਈ	=	कीर्ति			

मिउत - मित्र
मेहा - शोभा
मदा - हमेशा
चहुँ याम्हे - चारों ओर
धड़ाई - कीर्ति

उ० - बच्चे दीन-दु
और उनका
सकते हैं।

(ख) देश-प्रेम पर

.निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखें -

उ० - कवि कहत
करते हुए

1) बच्चों ने भगवान से कौन-कौन से सम्बन्ध जोड़े हैं?

उ० - माता - पिता, भाई, बन्धु (रिश्तेदार) और सखा (मित्र)।

(ख) बच्चे किन की आहें मिटाना चाहते हैं?

उ० - दुःखियों की आहें।

(ग) बच्चे कौन-से अच्छे गुण अपने भीतर विकसित करना चाहते हैं?

उ० - सबका भला करना, माता-पिता गुरु का आदर करना, दुःखियों के दुःख दूर करना, देश से प्यार करना अपने भीतर विकसित करना चाहते हैं।

(घ) बच्चे पढ़-लिखकर किसकी शान बढ़ाना चाहते हैं?

उ० - देश की शान बढ़ाना चाहते हैं।

(ङ) बच्चे देश के लिए कैसे भविष्य की कामना करते हैं?

उ० - हमारा देश आगे बढ़ता जाए, हर घर में खुशहाली हो और चारों तरफ हरियाली हो।

4. निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन या चार वाक्यों में दें -

(क) बच्चे दीन-दुःखियों की सहायता कैसे कर सकते हैं?

उ० - बच्चे दीन-दुःखियों के दुःखों, तकलीफों को दूर करते हुए और उनका भला करते हुए उनकी सहायता कर सकते हैं।

(ख) देश-प्रेम पर बलि-बलि जायें' से कवि का क्या आशय है?

उ० - कवि कहना चाहता है कि हम अपने देश से प्यार करते हुए उसे बचाने के लिए अपनी जान भी

देश के लिए दे दें।

(ग) 'देकर बड़े हम कीर्ति पाएँ' से बच्चों का क्या आशय है?

उ० - बच्चे कहना चाहते हैं कि जब हम बड़े हो जाएंगे तब हम अपने अच्छे कामों से लोगों में कीर्ति / यश / तारीफ पाएंगे।

5. काव्य पंक्तियों को कविता से देखकर पूरा करें।

(क) तुम्हीं हो माता-पिता हमारे
भाई-बन्धु सखा हमारे।

(ख) देश-प्रेम पर बलि-बलि जायें
दीन-दुःखी को सदा बचायें।

(ग) पढ़े-लिखें हम खेलें खायें
भारत देश की शान बढ़ायें।

निम्न शब्द-युग्मों को उदाहरण के अनुसार लिखें -

(i) माता-पिता = माता और पिता
(ii) भाई-बन्धु = भाई और बन्धु
(iii) देश-प्रेम = देश के लिए प्रेम
(iv) दीन-दुःखी = दीन और दुःखी
(v) पढ़े-लिखे = पढ़े और लिखे ।

6. बहुवचन बनायें -

(i) कदम - कदमों
(ii) दुःखी - दुःखियों
(iii) घर - घरों
(iv) प्राण - प्राणों

(7.) समान तुक वाले शब्द ढूंढ़कर लिखें -

पायें, नादान, जानें, खुशहाली, आहें, बुराई

(i) भगवान - नादान
(ii) मानें - जानें
(iii) चाहें - आहें
(iv) हरियाली - खुशहाली
(v) लड़ाई - बुराई।
(vi) जायें - पायें।

(8.) मूल शब्द अलग करें -

(i) दुःखी - दुःख
(ii) हरियाली - हरा
(iii) लड़ाई - लड़
(iv) खुशहाली - खुशहाल
(v) बुराई - बुरा
(vi) आहें - आह।

(v) बुराई - बुरा
(vi) आहें - आह।

(9). वाक्य बनाओ -

(i) प्रेम - हमें सब से प्रेम करना चाहिए।
(ii) आहें - हम दुःखियों की आहें मिटाएंगे।
(iii) बुराई - हमें बुराई से दूर होने चाहिए।
(iv) शान - हम बच्चे देश की शान हैं।
(v) खुशहाली - हर घर में खुशहाली हो।

(10.) निम्न शब्दों के अन्य क्या-क्या नाम है

(i) माता - माँ - जननी

Date:

पिता - जनक - बाप
भाई - भ्राता - सहोदर
सखा - मित्र - दोस्त
दुःख - परेशानी - कष्ट
गुरु - अध्यापक - आचार्य - शिक्षक

नए शब्द बनायें -

संयुक्त व्यंजन	शब्द	नया शब्द
ईश्वर	ईश्वर	नश्वर
च्च	बच्चे	सच्चे
म्ह	तुम्हें	कुम्हार
न्ध	बन्धु	अन्धा